''राजस्थान के अजमेर जिले में महिला साक्षरता में परिवर्तन''

*डॉ. नीलम गुप्ता

परिचय

साक्षरता से तात्पर्य उन व्यक्तियों से होता है, जो किसी भाषा में पढ़ एवं लिख सकते है। साक्षरता मानव संसाधन विकास का प्रमुख आधार है। किसी भी क्षेत्र की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक कार्यक्रमों की सफलता एवं विकास वहाँ की शिक्षित जनसंख्या पर निर्भर करती है। यदि जनसंख्या निरक्षर व अशिक्षित होगी तो वहाँ के विकास में बाधक होती है। आज के युग में वही देश विकास कर सकता है, जहाँ की अधिकांश जनसंख्या साक्षर एवं शिक्षित हो, साथ ही सरकारी एंव गैर सरकारी योजनाओं को लक्ष्य समूह तक पहुँचाने में भी साक्षरता की अहम भूमिका है।

शिक्षा मानव उत्पादन का एक सशक्त साधन है। यदि महिलाऐं भी शिक्षित नहीं होगी तो किसी भी क्षेत्र का सामाजिक, पारिवारिक, राजनैतिक एवं आर्थिक विकास सम्भव नहीं है। वे समाज जिनमें पुरूषों के समान स्त्रियों को समान अवसर उपलब्ध है, वहाँ स्त्री शिक्षा पर विशेष बल दिया जाता है। इसके विपरीत उन समाजों में जहाँ स्त्रियों को हेय दृष्टि से देखा जाता है, वहाँ साक्षरता का स्तर अत्यन्त न्यून होता है।

किसी भी क्षेत्र की कुल साक्षरता प्रतिशत में वृद्धि या कमी उस क्षेत्र में सामाजिक–आर्थिक परिवर्तनों की घोषणा करती है, क्योंकि यह द्विदिश प्रक्रम है। एक ओर सामाजिक–आर्थिक विकास साक्षरता प्रतिशत में वृद्धि करता है तो साक्षरता भी समक्ष मानव–संसाधन का निर्माण कर क्षेत्र के विकास को अधिक प्रोत्साहित करती है।अतः एक अवधि में किसी भी क्षेत्र में साक्षरता परिवर्तन का अध्ययन आवश्यक एंव उपयोगी है हमारे देश में साक्षरता और विशेषकर महिला साक्षरता कम पाई जाती है। इसको विश्व के सर्वाधिक निरक्षर देशों की सूची में बनाये रखने का कार्य देश के सैकडों वर्ष की गुलामी ने किया है, जिसमें राजस्थान तो भारत के पिछड़े हुये राज्यों में से एक रहा है। प्रस्तुत शोध पत्र में 1981 से 2011 तक महिला साक्षरता में हुऐ परिर्वतनों का विश्लेषण किया गया है।

उद्देश्य

1. महिलाओं की शिक्षा के स्तर में हुये परिवर्तन का अध्ययन करना।

2. महिला एंव पुरूष साक्षरता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

1. महिलाओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, लेकिन पुरूषों की तुलना में महिला साक्षरता अभी भी कम है।

विधि तन्त्र

अध्ययन क्षेत्र में महिला साक्षरता से सम्बिन्धित द्वितीयक ऑकडें जगनणना निदेशालय, आर्थिक एवं सांख्यिकीय निदेशालय व शिक्षा विभाग से लिऐ गये है। तुलनात्मक अध्ययन के लिए उनको सारणीबद्ध किया गया तथा इनकी सहायता से महिला साक्षरता में 1981 से 2011 तक हुये परिवर्तनों का विशलेषण किया गया। आवश्यकतानुसार मानचित्रों एंव आरेखों का समावेशन किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

अजमेर जिला राजस्थान राज्य के लगभग मध्य में $25^{0}38^{1}$ से $26^{0}58^{1}$उत्तरी अंक्षाश तथा $73^{0}54^{1}$ से $75^{0}22^{1}$ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। यह उत्तर में नागौर जिला, दक्षिण में भीलवाड़ा जिला, पूर्व में जयपुर एंव टोंक जिला एंव पश्चिम में पाली जिला द्वारा सीमांकित है। जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 8481 वर्ग किमी. है, जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2.74 प्रतिशत है।

जिले में कुल 9 तहसीलें किशनगढ़, अजमेर, पीसांगन, नसीराबाद, ब्यावर, मसूदा, केकड़ी भिनाय व सरवाड़ है। पंचायत समितियों की संख्या 8 है।

अजमेर जिला साधारणतया एक समतल मैदान है, जिसके बीच–बीच में कहीं–कहीं पहाडियाँ है जिले की सबसे बड़ी विशेषता अरावली पर्वत श्रृखंला है। जिले में कोई महत्वपूर्ण नदी नहीं है यहाँ 6 छोटी नदियाँ है, जिन्हें बनास, खारी, दाई, सागरमती, सरस्वती और रूपनगर के नाम से जाना जाता है जिले में ग्रीष्म ऋतु में शुष्कता के साथ गर्मी तथा शीत ऋतु में काफी ठण्ड रहती हैजिले की औसत वार्षिक वर्षा 601.88 मि.मी. है। जिले की कुल जनंसख्या 25,83,052 है, जिसमें 13,24,085 पुरूष तथा 12,58,967 स्त्रियाँ है। जिले का जनसंख्या घनत्व 305 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. तथा लिंगानुपात 951 है।

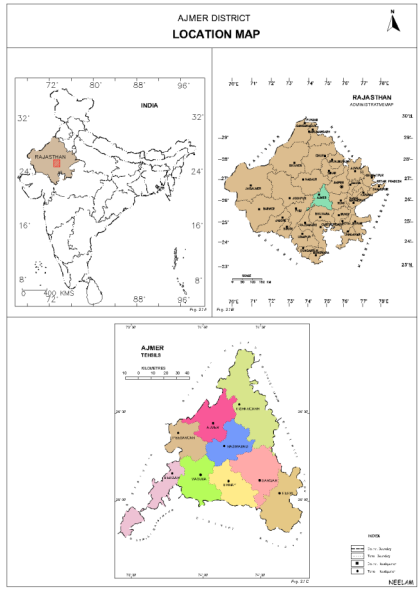

Source: Census Department

महिला साक्षरता में परिवर्तन

1981 में राजस्थान राज्य की कुल साक्षरता 24.38 प्रतिशत थी, जो 2011 में बढ़कर 66.10 प्रतिशत हो गई। जबकि 1981 में जिले की कुल साक्षरता 35.30 प्रतिशत थी जो 2011 में बढ़कर 69.30 प्रतिशत हो गई। अगर महिला साक्षरता पर दृष्टि डाली जाये तो 1981 में यह राज्य तथा जिले में क्रमशः 11.42 प्रतिशत तथा 21.92 प्रतिशत थी, जो 2011 में बढ़कर क्रमश 52.12 प्रतिशत तथा 55.70 प्रतिशत हो गई।

तालिका संख्या –1
राजस्थान राज्य एवं अजमेर जिले की कुल साक्षरता एवं महिला साक्षरता का प्रतिशत–1981 से 2011

वर्ष	कुल साक्षरता (प्रतिशत में)		महिला साक्षरता (प्रतिशत में)	
	राज्य	जिला	राज्य	महिला
1981	24.38	35.30	11.42	21.92
1991	38.81	52.34	20.84	34.50
2001	60.41	64.65	43.85	48.86
2011	66.10	69.30	52.12	55.70

स्त्रोत –जिला जनगणना पुस्तिका जिला अजमेर–1981, 2011
जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जिला अजमेर, 2008

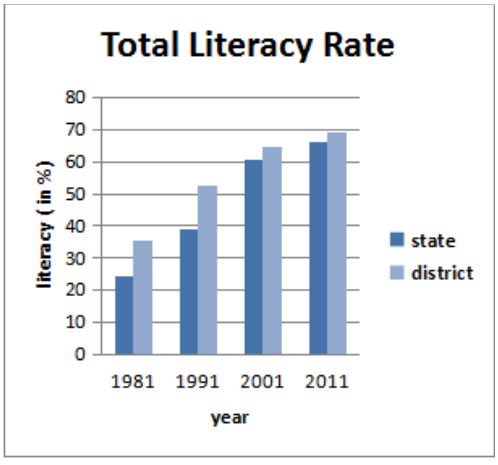

आरेख –1

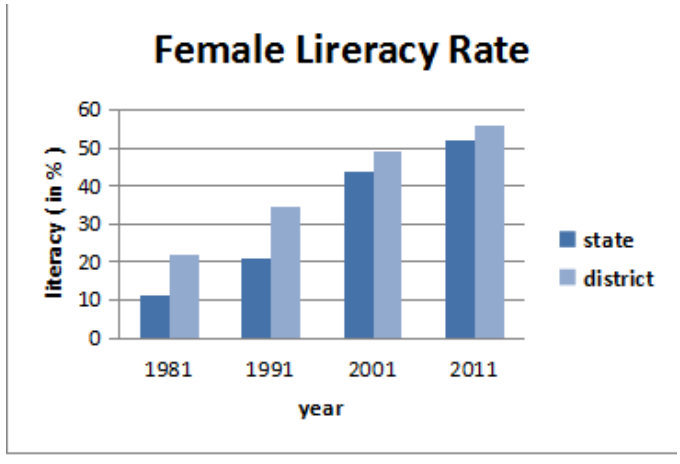

आरेख –2

1981 में जिले में तहसील स्तर पर सर्वाधिक औसत साक्षरता अजमेर तहशील में 46.55 प्रतिशत तथा न्यूनतम सरवाड़ तहसील में 17.66 प्रतिशत दर्ज की गई, तथा महिला साक्षरता भी अधिकतम एवं न्यूनतम इन्हीं तहसीलों में क्रमशः 33.57 प्रतिशत तथा 6. 85 प्रतिशत रही। ग्रामीण महिला साक्षरता सर्वाधिक केकड़ी तहसील में 7.20 प्रतिशत तथा न्यूनतम ब्यावर तहसील में 4.22 प्रतिशत दर्ज की गई। जिले में महिला एंव पुरूष साक्षरता का अन्तर 13.38 प्रतिशत रहा। 2011 में जिले में तहसील स्तर पर सर्वाधिक साक्षरता अजमेर तहसील में 80.38 प्रतिशत तथा न्यूनतम सरवाड़ तहसील में 52.60 प्रतिशत रही। सर्वाधिक महिला साक्षरता भी अजमेर तहसील में ही 71.51 प्रतिशत तथा न्यूनतम भी सरवाड़ तहसील में ही 35.31 प्रतिशत रही। 1981 में सर्वाधिक शहरी महिला साक्षरता अजमेर तहसील में 48.24 प्रतिशत तथा न्यूनतम सरवाड़ तहसील में 20.14 रही। जबकि 2011 में सर्वाधिक शहरी महिला साक्षरता भी अजमेर तहसील में ही 79.81 प्रतिशत रही।

तालिका संख्या – 2

अजमेर जिले में तहसील स्तर पर साक्षरता दर –1981, 2011

तहसील	1981					2011				
	कुल	पुरूष	महिला	ग्रामीण महिला	शहरी महिला	कुल	पुरूष	महिला	ग्रामीण महिला	शहरी महिला
किशनगढ़	25.39	36.33	13.39	5.80	31.72	64.68	77.59	51.11	39.99	69.79
अजमेर	46.55	58.23	33.57	6.64	48.24	80.38	88.83	71.51	48.31	79.81
पीसांगन	–	–	–	–	–	61.03	77.41	44.29	44.29	0
ब्यावर	31.50	46.11	16.11	4.22	39.81	75.78	89.61	61.73	49.76	76.42
मसूदा	–	–	–	–	–	61.39	78.71	43.18	37.04	71.39
नसीदाबाद	–	–	–	–	–	67.85	82.59	51.53	41.69	30.22
भिनाय	–	–	–	–	–	54.84	73.32	35.92	35.92	0
सरवाड़	17.66	27.89	6.85	5.35	20.14	52.60	69.50	35.31	33.11	50.07
केकड़ी	20.87	35.63	9.47	7.20	29.46	60.44	76.94	43.60	37.24	67.80
जिला अजमेर	35.30	47.65	21.92	5.89	44.09	69.33	82.44	55.68	41.29	76.50

स्त्रोत –जिला जनगणना पुस्तिका, जिला अजमेर –1981, 2011

अनूसूचित जाति एंव अनूसूचित जनजाति महिला साक्षरता

1981 में जिले में कुल अनूसूचित जाति साक्षरता 24.22 प्रतिशत, महिला साक्षरता 10.56 प्रतिशत तथा पुरूष साक्षरता 36.95 प्रतिशत दर्ज की गई। जो कि 2011 में बढ़कर क्रमशः 65.88 प्रतिशत, 51.43 प्रतिशत (महिला) तथा 61.89 प्रतिशत (पुरूष) हो गई। 1981 में अनूसूचित जनजाति साक्षरता 14.37 प्रतिशत, महिला साक्षरता मात्र 4.30 प्रतिशत तथा पुरूष साक्षरता 23.56 प्रतिशत थी, जो 2011 में बढ़कर क्रमशः 49.03 प्रतिशत, 33.69 प्रतिशत (महिला) तथा 63.93 प्रतिशत (पुरूष) हो गई। अनूसूचित जाति महिलाओं की साक्षरता अनूसूचित जनजाति की तुलना में अधिक है।

तालिका संख्या –3

अजमेर जिले में अनूसूचित जाति एंव अनूसूचित जनजाति की साक्षरता दर –1981, 2011

वर्ष	अनूसूचित जाति			अनूसूचित जनजाति		
	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला
1981	24.22	36.95	10.56	14.37	23.56	4.30
2011	65.88	61.89	51.43	49.03	63.93	33.69

स्त्रोत – जिला जनगणना पुस्तिका, जिला अजमेर 1981, 2011 जनगणना निदेशालय, जयपुर

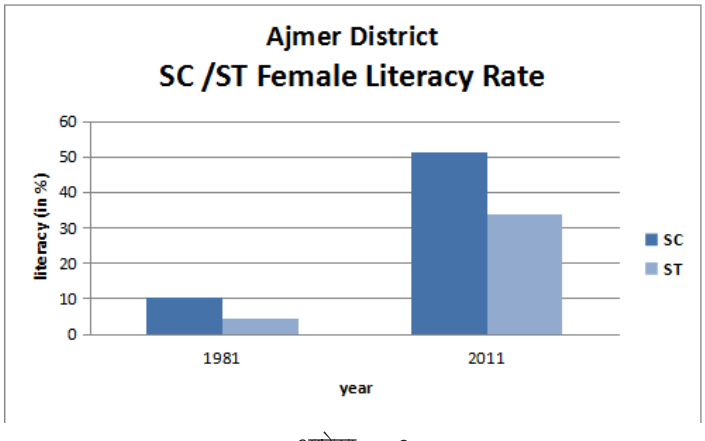

आरेख – 3

निष्कर्ष

1981 से 2011 तक जिले में महिला साक्षरता दर में निरन्तर वृद्धि हुई है साथ ही इस अन्तराल में जिले की महिला साक्षरता हमेशा राज्य की महिला साक्षरता से अधिक रही है। इस अन्तराल में जिले में ग्रामीण और शहरी महिलाओं की साक्षरता दर में अच्छी वृद्धि हुई है। इससे स्पष्ट है कि महिलाओं में शिक्षा के प्रति रूझान बढ़ा है। दूसरा कारण सरकार का महिला शिक्षा के प्रति विशेष ध्यान दिया जाना, तथा महिलाओं को मुफ्त प्राथमिक शिक्षा दिया जाना है। शिक्षण संस्थाओं में हुई वृद्धि से शिक्षा के अवसर बढ़े हैं, जिससे साक्षरता दर भी बढ़ी है। लेकिन जिले में महिलाओं की साक्षरता दर प्रत्येक तहसील में पुरूषों से कम रही है इसका कारण पुरूषों की तुलना में महिलाओं की शिक्षा को पारिवारिक एवं सामाजिक स्तर पर कम महत्व दिया जाना है, तथा पुरूषों की तुलना में महिलाओं को शिक्षा के कम अवसर मिलना है।

1981 से 2011 तक अनूसूचित जाति एवं अनूसूचित जनजाति महिलाओं की साक्षरता दर में वृद्धि हुई है। इससे महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

*सहायक प्रोफेसर,
राजस्थान महिला महाविद्यालय, जयपुर

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Bose, Ashish (1978) "Pattern of Population Changes in India (1951-61)", Allied Publishers, New Delhi.
2. Chandra R.C. & Sidhu N.S. (1979) "Introduction to Population Geography", Kalyani Publishers, Ludhiyana.
3. Dubey, R.N.&Sinha V.S. (1981) Economic Development and Planning (Hindi), National Publishing House, New Delhi.
4. Dubey, Kamlakant&Singh Mahendra Bahadur (2011)"Jansankhya Bhugol", Rawat Publiscations, Jaipur.
5. Govt. of Rajasthan, (1981,2011) "District Census Hand Book", Ajmer District
6. Khandelwal Neelam (2013)"Jansankhya Bhugol, Ankit Publications, Delhi